



Bioved News Letter

(Monthly Publication of Bioved Research Society)

Vol.24 (10), January, 2015

Patron
Dr. B.B. Tripathi

Chairman
Dr. S.D. Mishra

Director
Dr. B.K. Dwivedi

Editor
Mr. J. S. Dwivedi

Innovation of Soil Testing Kit at BRIAT

Bioved Research Institute of Agriculture and Technology, Allahabad has developed a SOIL TESTING KIT at a very low cost i.e. Rs. 10,000 to Rs. 15,000 for testing pH, Nitrogen, Phosphorus, Potassium, organic Carbon and organic matter within a short period of 30 minutes at farmers field in the presence of farmers. There is a provision of giving 10 days training at BRIAT to any graduate, post graduate or undergraduate youths through which they can earn Rs. 10-15 thousand per month by testing the Soil Samples. Till date BRIAT has trained more than 300 employed youths as a Resource person for testing the Soil in the villages of different states i.e. U.P., M.P., Rajasthan, West Bengal, Gujarat, J&K., Jharkhand, Bihar & Haryana. BRIAT has also trained a resource person as a manager of PNB Farmer's Training Centre (FTC) situated in different states i.e. Safai, Etawa in U.P., FTC Sacha Khera (Jind), Haryana; FTC Neemrana (Alwar) Rajasthan; FTC, Idgah Chauraha, Vidisha, M.P. and FTC, Kurukshetra. The minimum responsibility of each trained resource person is to train at least 50-100 unemployed youths per year. This excellent service is also being given by BRIAT, Allahabad at its own Centre, where large number of Soil Samples are being tested per month, which is an essential requirement for doing farming.



Visit of Dainik Jagaran Team in BRIAT

A team of Dainik Jagaran (famous news paper) visited BRIAT on 2/01/2015. This team discussed with Dr. B.K. Dwivedi, Director, BRIAT on various activities being done at this institute. Dr. Dwivedi expressed that by doing Lac cultivation, one can earn lacs of rupees by making different products of lac. This effort will help many poor people and unemployed youth in earning money and self employment. Dr. Dwivedi is helping many village youths and unemployed persons on various issues for earning money by providing sufficient jobs to them. He is doing lac cultivation on various host plants of lac in many villages near by Allahabad. He has shown paths for earning money to 100 of labourers and about 450 ladies through employment. These ladies are earning money by doing value addition through lac on many products. The Dainik Jagaran team also visited the workshop of lac cultivation and value addition at BRIAT. The details of Dainik Jagaran was published in Hindi on 3/01/2015 as shown below-

‘लाख’ से बना रहे लखपति

♦ गरीब, साधनहीन लोगों को रोजगार दिला रहे डॉ. बीके द्विवेदी
♦ साढ़े चार सौ महिलाओं सहित सैकड़ों मजदूरों को दिखाई राह

जानरूप संवाददाता, इलाहाबाद

‘लाख’ प्राकृतिक तल है, मादा कीटक तल। बनत तहिर रक्षा कवच, उषम है यह तल। यह किसी कचि का रोहा नहीं बल्कि एक कीट की सूँठ है, जिसका प्रयोग वह जनसंख्या नियंत्रण में कर रहे हैं। ‘लाख’ की खेती कर, लाखों बनाए, ‘लाख’ का सामान बनाए, खेब कमाए। कुछ ऐसी ही बातों से डॉ. बृजेश का द्विवेदी गरीब और साधन विहीन लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

गांव-गांव ‘लाख’ की खेती करा रहे हैं। सैकड़ों मजदूरों को हाथ दिवाने के साथ ही साढ़े चार सौ ऐसी महिलाओं को रोजगार दिला चुके हैं जो अपने घर तक खीमती थीं। अब घर बैठे इन महिलाओं को आमदनी का जरिया मिल गया है। लोगों को खासतौर से प्रोत्साहित कर रहे हैं। बृजेश कांतो ने बायोटेक प्रयोग संस्थान की स्थापना की जो विज्ञान के कई पक्षों से लाख की खेती को बढ़ावा देने में जुटा हुआ है। सुदूर अखण्ड यती कि लोगों की उपलब्ध खीमती संसाधनों के प्रयोग से प्रतिभा न्यूनता आय मिले। गांव में अधिकतर बेकार पढ़ी मजदूरों को लाख के संयुक्त प्रयोग के बाद बनाया से उचित मुद्रा मजदूरी को दिलवाना उनके रोजगार के काम में शामिल हो गया है। उनका संस्थान कुचको द्वारा पैदा होने वाली लाख की न्यूनता 200 रुपये को दर से खरीद रहा है। लाख से बनी वस्तुओं को भी खरीदने का काम संस्थान बना है। पहले कहा लोगों को एक एक कानटे से मात्र 40 से 100 रुपये की आमदनी होती थी वहीं अब इन पत्रों पर लाख की खेती को बढ़ावा देने से 500 से 1000 की आमदनी होना लगने है। यही कारण है कि अब प्रयोग क्षेत्र में पेटो का करना बंद हो गया है।

संस्थान में इलाहाबाद, जगन्पुर, मिर्जापुर, सोनपुर एवं बुंदेलखंड के कई जिलों में पाणश, बेर, पाणिया, कुसुम, आकाशमणि, संगल जलवी, पापुल, पोषल, गुण, गुर, श्रौवा, पाकुर आदि वृक्षों पर लाख की खेती का शुभारंभ किया है। ऊपर, पत्ती, बंजर एवं बेकार पढ़ी जमीनों में लाख पोषण वृक्षों को लगाकर जमीन को उपजाऊ बनाया जा रहा है। जनपद के समुदाय क्षेत्र में उन्होंने पत्तर मजदूरों को दशा भी बदल दी है। करीब दो सौ मजदूर अब पत्र तोड़ने के साथ ही नाली पेटो में लाख की खेती कर जो मुद्रा मुताबक करा रहे हैं। कौरव में पत्तर के पत्रों में लाख की खेती का उनका प्रयोग काफी सफल रहा है। डॉ. बृजेश कांतो बताते हैं कि उनके संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर साढ़े चार सौ महिलाएं घर बैठे ही आय अर्जित कर रही हैं। इसके अलावा उनके संस्थान से सैकड़ों लोग जुड़े हुए हैं जो पहले बेरोजगार थे, लेकिन अब वह अपने पांव पर खड़े हैं।

प्रशिक्षण की व्यवस्था

संस्थान द्वारा किसानों, मजदूरों को मुद्रा प्रशिक्षण की व्यवस्था भी है। प्रशिक्षण की तीन वर्गों में विभक्त किया गया है। पहले लाख पोषक वृक्षों को नर्सरी तैयार करने एवं पौधोपण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण, दूसरा आधुनिक वैज्ञानिक ढंग से लाख की खेती का पांच दिवसीय प्रशिक्षण और तीसरा लाख से गुणवत्तम वस्तुओं के निर्माण का मुद्रा दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम चलया जाता है। इसके लिए संस्थान में 20 महिला ट्रेनर मौजूद हैं जो गांव गिरीब से आने वाली महिला मजदूरों को प्रशिक्षित करती हैं।

खोड़िया से टोकरी और बांस से कप

घाँस सह करने की रीति के बाद निकलने वाली खोड़िया से या घर के आंगन में बेकार पड़ा बांस का दुकाना, लसका उचित उपयोग। बाट के टुकड़े और लाख के संयुक्त प्रयोग में सार से अस्सी रुपये मिलते हैं, जबकि सात सामान्य एक एक कर लाख की मात्रा में मिलकर सातवट टोकरी का निर्माण किया जा रहा है। गृहस्थी के सामान हो या दुरिग कम की सजावट की बात, हर जगह लाख अपनी छाप छोड़ रहा है। श्रृंग की चूड़ी से लेकर कनम बसोड उत्तर प्रदेश सामान्य वेत से भी समझौता हुआ है।

संस्थान की उपलब्धि

इलाहाबाद : डॉ. बृजेश कांतो के बायोटेक प्रयोग संस्थान ने लोगों के लिए टिकाऊ सामान्य की व्यवस्था भी कर रही है। मालव साहू के लिए रॉबि मजदूर जो बीजे बनाए, उनका कान में उचित मुद्रा मिले। संस्थान ने भारत सरकार के कृषि विभाग के अर्जित करत भारतीय प्रशिक्षण तल एवं मीट संस्था, रावी से लाख की खेती को बढ़ावा देने के लिए समझौता कर रहा है। इलाखड संयुक्त से लाख से बनी पीजों के कप एवं किलव के लिए अंगुलि दिया है। प्रदेश में प्रथम लाख प्रदर्शन कराई की स्थापना बायोटेक कृषि प्रौद्योगिकी श्रृंगोपय में स्थापित है। संस्था द्वारा संयुक्त ट्रेनर साहू के माध्यम से लाख के मूल्यवर्धित वस्तुओं के निर्माण के लिए विज्ञान सहायता के लिए बसोड उत्तर प्रदेश सामान्य वेत से भी समझौता हुआ है।

गांवों में हो रही कुटीर उद्योग की स्थापना

लाख एवं अन्य अनाजिष्ट पदार्थों जैसे-गोबर, मृत्त, चूना, सड़की, बेकार पत्ती अर्द्धे, लकड़ी, पत्ती के संयुक्त प्रयोग से ताम्रम रोजे बन रही हैं जिनकी बाजार में अच्छी बिकत मिलती है। डॉ. बृजेश कांतो के मुताबिक लाख के नाम पर अब गांव में विभिन्न प्रकार के कुटीर उद्योगों की स्थापना हो रही है। बायोटेक संस्थान के सलाहकारों में करीब चालीस सेंटर काम कर रहे हैं।

BRIAT bags UNDP project for lac conservation

A team of Hindustan Times(a famous news paper) visited BRIAT on 4/01/2015 at Allahabad. Bioved Research Institute of Agriculture and Technology (BRIAT) has bagged a prestigious project from the United Nations Development Programme (UNDP) for the period of two years to “Demonstrate and create business models for conservation of lac (*Kerria lacca*) through value addition preparation

hindustantimes SUNDAY HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW JANUARY 04, 2015

BRIAT bags UNDP project for lac conservation

ALLAHABAD: A prestigious project from the United Nations Development Programme (UNDP) for the period of two years to “Demonstrate and create business models for conservation of lac (*Kerria lacca*) through value addition preparation” has been bagged by Bioved Research Institute of Agriculture and Technology (BRIAT) in Allahabad.

The project will be implemented over a period of two years. The article also mentions that BRIAT has introduced a value addition program for lac products.

THE BRIAT HAS INTRODUCED VALUE ADDITION PROGRAM FOR LAC PRODUCTS

CONSUMPTION OF LAC BY VALUE ADDITION OF BIO RESOURCES AND AGRICULTURE MATERIALS WITH JOINT USE OF LAC

technologies”. The project is to be implemented in three states viz. Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, and Jharkhand. The key lac growing areas of the country with support of seven NGOs has spread across the districts of Mirzapur, Gonda, and Bahraich of U.P. Satna and Jabalpur of Madhya Pradesh as well as Khunti and Ranchi of Jharkhand. Dr. B.K. Dwivedi ,Director, BRIAT informed that for the mission , UNDP has sanctioned us \$50,000 under its small grant programme that will serve BRIAT as its base in Allahabad working as the main resource centre, Dr. Dwivedi has introduced scientific methods of lac cultivation for the first time in Uttar Pradesh. “Under the project, training will be provided to selected beneficiaries of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, and Jharkhand for value addition of bio-resources, agriculture waste materials with lac like cow-dung and cow urine to produce products like dustbins, mosquito coils, bio DAP, organic fertilizer besides cosmetics items like bangles, lipsticks, nail paint, varnish and shoe polish.”

Felicitation of Prof. (Dr.)M. P. Dube

Prof. (Dr.) M. P. Dube, Vice-Chancellor, UPRTOU, was honoured by “Shrimad Aryavat Vidwadyat Parisad” Prayag and BRIAT in a ceremony organized in the auditorium of BRIAT near Prayag Station on 14/01/2015. He was honoured through presenting a shaal, memento, and testimonial by famous writer of Sant Sahitya and learned person of Sanskrit Dr. Ramji Mishra. Dr. Mishra said that the honour of such noted hard worker like Prof .M .P. Dube is an integral part of Indian culture. Income tax commissioner Shri Anil Mishra present on this function said that Prof. Dube is a moral thinker and excellent administrator. During his presidential address Dr. Chandra Vijay Chaturvedi expressed that UPRTOU will do progress in many folds under the guidance of Prof. M.P. Dube as a Vice-Chancellor. Prof. Dube was highly obliged by to the organizer for honoring him for a Nobel case and expect that he has always follow the path of mahatma Gandhi for developing of agriculture and rural sector in a sustainable manner through the conservation



of natural resources .He promised that he will change the present educational system for more employment and additional income in agricultural and rural sector. Dr. Dwivedi also expressed his thanks to Prof. Dube for his support for promoting concept of community college for increasing rural youth employment in agricultural and rural sector. Dr. Birendra Tiwari, Dr. Harishankar Upadhyay, Dr. Hari Narayan Dubey , Dr. Om jee Gupta, Dr. Shivbhushan Gupta, Dr. Prem Prakash Dubey, Dr..Sambhu Nath Tripathi were also present on this function.



REPUBLIC DAY CELEBRATION AT BRIAT

Republic Day was Celebrated on 26/01/2015 at the open ground of BRIAT by hoisting flag by Dr. S.D. Mishra, Chairman BRIAT. After flag hoisting, a function was organized in auditorium of BRIAT where lectures and cultural activities in relation to republic day was done. This function was attended by Dr. B.K. Dwivedi , Director, BRIAT, Shri J.S. Dwivedi, Shri Deepak Dwivedi, Shri Indra Kant Pandey and all staff members of BRIAT. This function ended with the distribution of sweets.



Dr. B.K. Dwivedi, Director

Bioved Research Institute of Agriculture & Technology

103/42, M.L.N. Road, (Near Prayag Station) Allahabad-211002, U.P. India

Ph : 2465678, 2467122, 2645368, Mob: 09839619729, Fax : (0532) 2465959

Email : bioved2003d@yahoo.com, Website: bioved.co.in